>

Title: Need to formulate policy to check the incidents of forest fire in Hilly States of the country.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश के जंगलों में जो आग लगी हुई है, उसकी ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

पहाड़ों में आग लगी है, जंगल जल रहे हैं, जड़ी-बूटियां जल रही हैं, जानवर जल रहे हैं, हिमालय जल रहा है और हमारी जो जंगल की सम्पदा है, वह जल रही है। अभी गर्मियों की शुरूआत है और अभी से ही उत्तराखण्ड की पौखाल रेंज के गधोलिया, पौड़ी, धर्मगढ़, देवौरी, बेलगढ़, रामनगर रेंज के गुलजारपुर, देवप्रयाग, अलमोड़ा, लैंसडाउन, रुद्रप्रयाग, मसूरी तथा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा घाटी के वनों में आग की घटनाओं की जानकारी आई है।

एक तरफ तो हम पर्यावरण की रक्षा के लिए वनों के संवर्धन की बात करते हैं और दूसरी ओर हर वर्ष होने वाली इन वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए कोई विशेष नीति नहीं बनाते हैं। मैंने पहले भी यह समस्या उठाई थी तो वन और पर्यावरण मंत्रालय ने मुझे आश्वासन दिया था कि इसके लिए हम एक विशेष नीति बनाएंगे।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि वह शीघ्र ही पर्वतीय राज्यों के जंगलों को आग से बचाने के लिए विशेष नीति बना कर उसे क्रियान्वित करे।